OM 6 final_Page 1 and 2 6/10/2014 5:05 AM Page 1

आध्यात्मिक ऊर्जा से सम्पूर्ण कुशलता प्राप्त होगी

'सम्पूर्ण कुशलता के लिए स्थूल एवं सूक्ष्म का समायोजन' विषय पर सम्मेलन का आयोजन

ज्ञानसरोवर-आबू पर्वत। राजस्थान एटॉमिक पावर स्टेशन रावत भाटा के स्टेशन डायरेक्टर सी.डी.राजपूत ने ब्रह्माकुमारीज़ साइंटिस्ट एवं इंजीनियरिंग विंग द्वारा 'सम्पूर्ण कुशलता के लिए स्थूल एवं सूक्ष्म का समायोजन' विषय पर आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि संसार को बदलने की तमन्ना मेरे मन में भी थी लेकिन मैं यह नहीं कर पाया। यहाँ आकर यह समझ पाया हूँ कि स्वयं को बदल डालने से हमारे लिये संसार बदलने लगता है। विधि यह है कि हमें उसके लिए ज्ञान रूपी तीसरी आँख को खोलने की आवश्यकता है। तीसरी आँख के खुलते ही हमें हमारी सारी शक्तियों की अनुभूति होने लगती है। तीसरी आँख हमारे शरीर का हिस्सा नहीं है बल्कि यह शरीर से परे का भाग है। वह हमारी सूक्ष्म शक्ति है। उससे जुड़कर ही हम सम्पूर्ण कुशलता प्राप्त कर पाएंगे। ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि पिता परमात्मा की सही पहचान ही हमें यहाँ प्रदान की जाती है। अपनी और पिता परमात्मा की वास्तविक पहचान से ही हम सूक्ष्म एवं स्थूल का संयोग करके सम्पूर्ण कुशलता प्राप्त कर पाएंगे। आप सभी यहाँ से सूक्ष्मता को अपनाकर ही प्रस्थान करें।

ज्ञानसरोवर । कार्यक्रम में प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु.मोहन सिंघल, अध्यक्षा ब्र.कु.सरला, राजस्थान गैस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक निर्मल पांडेय, सम्बोधित करते हुए संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी तथा अन्य।

सम्मेलन की अध्यक्षा ब्र.कु.सरला ने कहा कि यहाँ आध्यात्मिक ऊर्जा से चार्जड् वातावरण आपकी क्षमताओं को विकसित करने में सहायक होगा। ब्र.कु.स्वामीनाथन,एच.आर.डी. परामर्शदाता,मुंबई ने कहा कि समस्याओं का समाधान हमेशा तकनीकी तरीके से नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक प्रकार की सूक्ष्मता काफी कारगर हो सकती है। एक व्यावहारिक उदाहरण देकर उन्होंने समझाया कि कैसे सकारात्मक स्लोगन हमारे जीवन को काफी प्रभावित कर सकता है। इससे हमारे जीवन की दशा एवं दिशा बदल जाती है। हमारा आचार एवं विचार भी मानवता को काफी हद तक प्रभावित करता है। हमारे आचरण को देखकर भी कई बार लोग अपने जीवन को बदलने की प्रतिज्ञा ले लेते हैं। अर्थात हमारा श्रेष्ठ जीवन ही सकारात्मकता के लिये दिशा निर्देश दे पाता है। मगर जीवन को श्रेष्ठ बनाने के लिये सूक्ष्मता को समझना ज़रूरी है। हम इन बातों को यहां अच्छी तरह समझ पाएंगे। राजस्थान गैस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक निर्मल पांडेय ने कहा कि मैं मंच पर बैठे-बैठे ही स्वयं को आनंद की शक्तियों के बीच डूबता महसूस कर रहा था। इस ज्ञान को जीवन में धारण करके हम मानसिक शांति एवं आनंद की प्राप्ति कर पाएंगे। मुझे अपने जीवन के परिवर्तन से इस बात की अनुभूति हुई है। जीवन की कला को हम यहाँ सीख पाते हैं। अपने अंतर्मन को पहचान कर और उससे जुड़ कर हम आसानी से समस्याओं का समाधान प्राप्त कर लेते हैं। अत: स्थूल को सूक्ष्म से युक्त कीजिये। सम्पूर्ण कुशलता प्राप्त कीजिये। दस से पंद्रह मिनट का नियमित ध्यानाभ्यास हमें श्रेष्ठता प्रदान करता है। प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु.मोहन सिंघल ने सम्मेलन का लक्ष्य स्पष्ट करते हुए कहा कि हम स्थूल एवं सूक्ष्म के संयोग द्वारा अपना कल्याण करने के बारे में समझेंगे। पुरुष एवं प्रकृति के बीच क्या नाता है इस बात को जानेंगे। आत्मा पुरुष है एवं हमारा यह शरीर प्रकृति है। इनके बीच सामंजस्य कैसे स्थापित हो इन बातों को जानेंगे। सेवानिवृत्त विंग कमांडर तथा इंजीनियर्स एवं साइंटिस्ट्स विंग के क्षेत्रीय संयोजक ब्र.कु.जवाहर मेहता,दिल्ली,ब्र.कु.भारतभूषण, ब्र.कु.पीयूष एवं ब्र.कु.नरेन्द्र ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। मंच का संचालन भिलाई की ब्र.कु.माधुरी ने किया।

डॉक्टर्स प्रोफेशन में आध्यात्मिकता का उपयोग महत्वपूर्ण -शिवानी

सूरत। मनुष्य के लिए डॉक्टर का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। डॉक्टर्स प्रोफेशन में स्प्रीच्युअल अप्रोच के साथ मरीज से पेश आने पर उनके दर्द की हीलिंग में बहुत सहायता मिलती है।

डॉक्टरों के पास मरीज डर, दर्द और विश्वास लेकर आता है इसलिए अपने क्लीनिक या अस्पताल से शांति, प्रेम और खुशी देना डॉक्टरों का मुख्य कर्तव्य है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित मेडिकल कॉन्फ्रेन्स में ब्र.कु. शिवानी ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि धन कमाना हमारी प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए, दुआ कमाएंगे तो धन पीछे-पीछे आयेगा।

उन्होंने आगे कहा कि डॉक्टरों को मरीज की बीमारी को जड़ से निकालना है। डॉक्टरों को मरीज के साथ अपनी शब्दावली में नहीं लेकिन मरीज की शब्दावली में बात करनी चाहिए। आमतौर पर डॉक्टर अपनी जो मान्यता है उसी से मरीज का उपचार करता है। मांसाहारी डॉक्टर शाकाहारी मरीज को भी मांसाहार लेने के लिए कहेगा, वो कहेगा कि मांसाहार में ही प्रोटीन है, ऐसा नहीं है। अंत में उन्होंने उपस्थित सभी डॉक्टरों को हर रोज़ राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करने का सुझाव देते हुए कहा कि, किसी मरीज का उपचार या सर्जरी करने के समय अगर कोई वरिष्ठ डॉक्टर आपके साथ उपस्थित होता है तो आप उनकी ओर एक बार देख लेते हैं ना? उसी प्रकार हमें एक बार सुप्रीम डॉक्टर, सुप्रीम सर्जन परमात्मा की ओर ज़रूर देख लेना चाहिए। इस कॉन्फ्रेन्स में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन,सूरत के इन्चार्ज प्रेसिडेन्ट डॉ दलवाडी, सचिव डॉ टोनी निकोलस तथा कई पूर्व प्रेसिडेन्ट सहित करीब 850 डॉक्टर्स उपस्थित रहे, सभी ने कार्यक्रम को बहुत सराहा। दिल्ली के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ मोहित गुप्ता ने 'ब्लेन्डिंग साइंस एंड स्प्रीच्युअलटी' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। सूरत सबज़ोन की संचालिका ब्र.कु. रंजन ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारी मन की शांति हमारे से कोषों दूर चली गई है। हमें जीवन शैली में अपने को अपडेट करना होगा। शांति, प्रेम, सद्भावना को व्यवहार में स्थान देने की ज़रूरत है। डॉ दलवाडी ने सभी का स्वागत किया। फैमिली फिज़ीशियन एसोसिएशन ऑफ सूरत ने ब्र.कु.शिवानी और डॉ गुप्ता को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - **9414006096, 9414182088,** Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक **190** रुपये, तीन वर्ष **575** रुपये, आजीवन **4500** रुपये । **विदेश - 2500** रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th June- 2014
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।